DOON UNIVERSITY
NEWSPAPER CLIPPING SERVICES

मंथन

दून विश्वविद्यालय देहरादून उच्च शिक्षा के उभरते आयामों पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

उद्योगों की आवश्यकतानुसार शिक्षण आवश्यक : प्रो. राव

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। दून विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की ओर से उच्च शिक्षा के उभरते आयामों पर एक दिवसीय कार्यशाला की गई। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए भारतीय वाणिज्य संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं उस्मानिया विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य प्रो. पी पुरुषोत्तम राव ने कहा कि विश्वविद्यालयों में संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों को उद्योग एवं कॉरपोरेट जगत की आवश्यकता के अनुरूप तैयार किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकतानुसार शिक्षा और प्रशिक्षण नहीं मिलेगा तो वे प्रतिस्पर्धा के दौर में सफलता हासिल करने में पिछड़ जाएंगे। रोजगार मिल भी जाए तो ऐसे युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता रहेगी, जिसके लिए कंपनियां समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करती हैं। जिस पर बहुत अधिक धनराशि व्यय की जाती है। प्रशिक्षित हो जाने के बाद ऐसे कर्मचारी बेहतर रोजगार की तलाश में एक कंपनी से दूसरी कंपनी का रुख करने के लिए लालायित रहते हैं। इसलिए शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे उद्योगों की आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रमों का निर्माण करें और उसके अनुरूप उन्हें प्रशिक्षित करें।

कहा कि शिक्षकों को उद्योगों के साथ लगातार संवाद करना होगा और उन्हें पाठ्यक्रम निर्माण, नियमित व्याख्यान, कार्यशाला, संगोष्ठियों इत्यादि में शामिल करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं दून विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने कहा कि दून विवि ने अल्प समय में उच्च शिक्षा के विभिन्न नवाचारों का प्रयोग कर शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

इसी का नतीजा है कि हमारे कई शिक्षक विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में अपना स्थान बनाने में सफल हुए हैं। इस वर्ष स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डॉ. सुधांशु जोशी को भी शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान प्राप्त हुआ है, जो महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस दौरान प्रो. एचसी पुरोहित, प्रो. रीना सिंह, प्रो. राजेश कुमार, प्रो. आशीष कुमार, प्रो. हर्ष डोभाल, डॉ. सुनीत नैथानी आदि मौजूद रहे।

दून विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में मौजूद लोग। स्रोत : विवि

कार्यशाला में भाषा की शुद्धता पर दिया गया जोर

देहरादून। वैल्हम गर्ल्स स्कूल एवं बोर्डिंग स्कूल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें व्याकरण आचार्य पंडित पृथ्वीनाथ पांडेय ने अध्ययन, अध्यापन में लिखित और मौखिक रूप में भाषा की शुद्धता पर जोर दिया। उन्होंने शब्दों और वाक्यों के शुद्ध प्रयोग बताए। कार्यशाला में बोर्डिंग स्कूल एसोसिएशन ऑफ इंडिया से जुड़े विद्यालयों के हिंदी शिक्षक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तराखंड के विशेषज्ञ समेत विभिन्न सरकारी शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि और हिंदी के 44 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। प्रधानाचार्या विभा कपूर ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी और निजी क्षेत्र को एक साथ मिलकर काम करना होगा। यह कार्यशाला भी इसी का माध्यम बनेगी। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. नालंदा पांडेय ने किया। संवाद

News paper – Amar Ujala
Date – 19.09.2024